IS-02.14/
180

प्राक् पी.एच.डी. पाठ्यक्रम
(संगीत)

संगीत विभाग
पटना विश्वविद्यालय, पटना

प्राक्–शोध पाठ्यक्रम
(प्राक् पीएच.डी. पाठ्यक्रम)

संगीत विभाग, पटना विश्वविद्याय में 24 गण्यताओं (Credits) का एक प्राक् पी–एच.डी. पठ्यक्रम होगा।

पी–एच.डी. के हर शोध छात्र को प्रथम सत्रार्ध (सेमेस्टर) में 24 गण्यताओं में 12 गण्यताओं को कक्षागत अध्ययन के लिए स्वीकार करना होगा। कक्षागत अध्ययन का यह कम पी–एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश पाते ही आरंभ होगा।

12 गण्यताओं का विभाजन निम्नांकित रूप में होगा–

पाठ्यक्रम– 1. शोध–प्रविधि– 4 गण्यताएँ

100 अंक : वर्गगत परीक्षण– 70 अंक + आंतरिक मुल्यांकन– 30 = 100 अंक

पाठ्यक्रम– 2. समसामयिक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य एवं संगीत शोध के परिक्षेत्र और परिदृश्य (बिहार के विशष संदर्भ के साथ)– 4 गण्यताएँ

100 अंक : वर्गगत परीक्षण – 70 अंक + आंतरिक मूल्याकंन – 30 अंक = 100 अंक

पाठ्यक्रम– 3. प्राक् प्रबंध अध्ययन– 4 गण्यताएँ

100 अंक

प्रस्तावित शोध विषय पर उपलब्ध साहित्य–सामग्री से संबंधित लगभग 5000 शब्दो का प्रबंध–पूर्व आलेख– 70 अंक + संगोष्ठीगत प्रस्तुति– 30 अंक = अंक

प्रारंभ के दो पाठ्यक्रमों के क्रमश तीन–तीन माह के लिए वर्ग होंगे। तीसरा पाठ्यक्रम वर्गमुक्त स्वतंत्र अध्ययन का होगा।

24 में शेष 12 गण्यताएँ शोध छोत्र को अपना पीएच.डी. प्रबंध प्रस्तुत करने के पूर्व प्रथम दो वर्षों की अवधि में अधिगत करनी होंगी। ये 12 गण्यताएँ शेध छात्र द्वारा 'आइ–एक–एस–एन' नंबर प्राप्त शोध पत्रिका/लोकसमादृत प्रसिद्ध साहित्यिक पत्रिका में शोधपत्रों/आलखों के प्रकाशन में पूरी होंगी। शोध छात्र को न्यूनतम दो शोधपत्र/आलेख प्रकाशित करवाने होंगे। एक शोधपत्र 6 गण्यताओं का होगा।

12/3/21

12.3.2021

इकाई (Unit) – 3 शोध–प्रविधि और दृष्टिकोण : ऐतिहासिक शोध प्रविधि, अंतर्विधा शोध प्रविधि (Inter disciplinary Reserch Methodology), पाठालोचनात्मक शोध प्रविधि, तुलनात्मक शोध प्रविधि, समाजशास्त्रीय शोध प्रविधि, मनोविश्लेषणात्मक शोध प्रविधि ।

सहायक ग्रंथ

1. अनुसंधान का स्वरूप : सं. सावित्री सिन्हा, दिल्ली नेशनल पब्लिकेशन
2. अनुसंधान का प्रक्रिया : सं. सावित्री सिन्हा, विजयेन्द्र स्नातक, हिन्दी अनुवाद परिषद्
3. इट्रोडक्शन टू रिसर्च : हेल्वे : नेशनल पब्लिशिंग हाउस
4. स्ट्रेटजी ऑफ रिसर्च : इशर जार्ज, पागेट थाम्पसन
5. आर्ट ऑफ साइंटिफिक रिसर्च : डब्लू.आई.बी. वैरब्रिज
6. शोध प्रविधि : विनय मोहन शर्मा : नेशनल पब्लिशिंग हाउस
7. Research Methodology : Methods and Techniques : C.R. Kothari, New Age International Publishers
8. भारतीय संगीत में अनुसंधान की समस्याएँ — डा. वन्दना शर्मा
9. संगीत एवं शोध प्रविधि — डा. मनोरमा शर्मा

पाठ्यक्रम–2
(क)
संदर्भ एवं प्राचीन संगीत

1. सौंदर्यशास्त्र (भारतीय और पाश्चात्य संदर्भ)
2. संगीत : संबा एवं तत्व
3. संगीत कला की उन्नति एवं विकास
4. संगीत और दर्शन
5. संगीत और मनोविज्ञान
6. प्राचीन भारत में संगीत
7. राष्ट्रीय एकता में संगीत की भूमिका
8. लोकसंगीत एवं शास्त्रीय संगीत
9. पश्चात्य संगीत का अवलोकर
10. सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्ण में संगीत
11. भू–मंडलीकरण, बाजारवादः उपभेक्त संस्कृति और संचार कांति
12. भारतीय सांगीतिक परम्परा में राग अर्थ एवं विकास के संदर्भ)
13. भारतीय संगीत के प्राचीन शास्त्रकार

14. संगीत और आलोचना 17 भारत का संगीत सिद्धान्त संदर्भ ग्रंथ :–

1.	भारतीय संगी का इतिहास	डॉ. शरतचन्द श्रीधर परांजपे
2.	भारतीय संगीत का इतिहास	डॉ. ठाकुर जयदेव सिह
3.	प्राचीन भारत में संगीत	डॉ. पूनम मिश्रा
4.	भारतीय संगीत का इतिहास	योगेन्द्र सिंह बावरा
5.	भारतीय संगीत का इतिहास	राम अवतार वीर
6.	भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका	नागेन्द्र
7.	भारतीय संगीत का सौन्दर्य विधान	मधुरलता भटनागर
8.	संगीत की मनोवैज्ञानिक पृष्टभूमि	डॉ. कविता चक्रवर्त्ती
9.	सौन्दर्य–दृष्टि का दार्शनिक आधार	डॉ. मुकेश गर्ग
10.	रागः एक अध्ययन	अरविन्द कुमार
11.	भारत का संगीत सिद्यान्त	आचार्य वृहस्पति
12.	संगीत चिंतामनि (प्रथम खण्ड) –)	

(ख)
मध्यकालीन संगीत

1. मुसलमान एवं भारतीय संगीत
2. अमीरखुसरो : भारतीय संगीत के परमभक्त
3. दरवारी संगीत
4. भक्ति संगीत
5. मुगल सम्राट के युग में संगीत
6. संगीत, साहित्य और रस
7. स्वामी हरिदास का संगीत पक्ष
8. तानसेन, व्यक्तित्व एवं संगीत
9. अष्टसखा, काव्य और संगीत
10. भुगल दरवार के कवि संगीतज्ञ
11. हवेली संगीत
12. चित्रकला, काव्य और संगीत
13. सूफियाना संगीत
14. तुलसीदास के काव्य मे संगीत
15. मीरा के काव्य में संगीत तत्व
16. सदारंग– अदारंग का योगदान

12/03/2014 12/3/14

(ग)

घराना एवं गायन शैली

1. धूवपद उत्पत्ति एवं विकास
2. ख्याल शैली का विकास
3. ठुमरी : गायकी एवं शैलियॉ
4. घराना
5. घ्रुवपद और वाणी
6. उपशस्त्रीय संगीत के आयाम
7. विद्यापति संगीत
8. रवीन्द्र संगीत

संदर्भ ग्रंथ

1.	धूवपद की उत्पत्ति एवं विकास	आचार्य वृहस्पति
2.	विद्यापति संगीत	दीपाली दास
3.	रवीन्द्र संगीत की रूपरेखा	दीपाली दास
4.	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की घराना– परम्परा	शम्भुनाथ मिश्रा
5.	ठुमरी की उत्पत्ति, विकास और शैलियॉ	डॉ. शत्रुहन शुक्ला
6.	ख्याल संगीत अंक	लक्ष्मीनारायण गर्ग (सं0)

(घ)

लोक संगीत

1. लोक गीत :– परिभाषा एवं वर्गीकरण
2. लोक वाद्य
3. लोक नृत्य

(ङ)

बिहार की संगीत परम्परा

1. बिहार के लोक संगीत
2. बिहार के धुवपद घराने
3. बिहार के ख्याल की परम्परा
4. बिहार की ठुमरी परम्पर
5. बिहार में वाद्य वादन की परम्परा
   - ए – पखावज की परम्परा
   - बी – तबला वादन की परम्परा
   - सी – तत् वाद्य की परम्परा

12.03.2021

12/3/21

डी – सुषिरवाद्य की परम्परा

6. बिहार में नृत्य की परम्परा

7. बिहार के शास्त्रकार

संदर्भ ग्रंथ

(i) बिहार की संगीत परम्परा – गजेन्द्र नारायण सिंह

(ii) मिथिला की संगीत परम्परा चन्देश्वर झा

12.03.2021

12/3/21

पाठ्यक्रम – 3

स्वतंत्र वर्ग मुक्त अध्ययन

प्रस्तावित विषय पर प्राप्त साहित्य एवं उससे संबंधित प्रस्ताव आलेख

5000 शब्दों का, 70 अंक ।
संगोष्ठीगत प्रस्तुति – 30 अंक ।